Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

अर्न्तराष्ट्रीय सीमा के सात गांवों में स्वास्थ सेवा चरमराई

चिंता

प्रशासन की अनुमति के बिना स्वास्थ शिविर लगाना नही हो पा रहा संभव

- ग्रमीण इलाज के लिए तैनात सुरक्षा बलों के द्वारा दी जाने वाली चिकित्सा सुविधा पर निर्भर
- सीमांत में आगामी दस सितम्बर के बाद स्वास्थ शिविर लगाया जायेगाः उपजिलाधिकारी

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ जिले की धारचूला तहसील की व्यास घाटी में आने वाले बूंदी,गुजी,गर्ब्यांग,नपल्च्यू रौककांग,कुटी गांव में स्वास्थ सेवाओं का इंतजाम न होने से हालात बेहद चिंताजनक होने की संभावना बनने लगी है।

बता दें कि क्षेत्र के ग्रमीण इलाज के लिए यहां तैनात सुरक्षा बलों के द्वारा दी जाने वाली चिकित्सा सुविधा पर निर्भर रहते। इनर लाइन के फेर के चलते चीन सीमा के इन सात गांवों में स्वास्थ सेवा चरमराने लगी है। कोरोना के बढ़ते भय से आईटीबीपी व सेना के डाक्टर गांवों में जाने से कदम पीछे कर रहे है। वही दूसरी ओर जिला प्रशासन से अब तक अनुमति न मिल पाने के कारण एनएचपीसी स्वास्थ शिविर लगाने में असमर्थ है।

सीमांत के इन गांवों में तैनात सेना के डाक्टर कैंप व दवाओ का वितरण करते रहते है। मौसम में हुए बदलाव के बाद अब गांव के ग्रमीण वायरल की चपेट में भी आ चुके है। जानकारी मिल रही है कि सीमांत में आये दिन सेना के जवानों में कोरोना का बढ़ता संक्रमण क्षेत्र के ग्रमीणो का इलाज करने में नाकाम साबित हो रहा है। ऐसे हालातों में गांव के ग्रमीणों के सेना के जवानो में बढ़ता कोरोना का प्रकोप केवल परहेज करने के सिवाय और कुछ नही है।

बात की जाए अगर इनर लाइन परमिशन की तो उसके मुताबिक सीमा पर बाहरी लोगों के प्रवेश पर बिल्कुल रोक और आने जाने वाले लोगों को सीमा पर खासी संवेदनशीलता के चलते बिल्कुल मनाही रहती है।

वही बिना जिला प्रशासन की अनुमति व भारत सरकार द्वारा जारी किये गये दस्तावेज के बाद ही सीमा पर निश्चित समय के लिए ही प्रवेश करने की अनुमति होती है। वर्तमान में वायरल के बढ़ते खासे प्रकोप के चलते गांवो में बुर्जुग व बच्चों के ज्यादा बीमार होने की सूचना मिल रही है। एनएचपीसी को गांव में ऐसे हालातों में स्वास्थ शिविर लगाने की अनुमति मिलती है मगर अब भी जिला प्रशासन से अनुमति न मिल पाना बेहद चिंता का विषय बन चुका है। इस बारे में धारचूला के उपजिलाधिकारी एके शुक्ला ने बताया कि सीमांत में आगामी दस सितम्बर के बाद स्वास्थ शिविर लगाया जायेगा। इनर लाइन परमिट के लिए अदवेदन आने शुरू हो चुके है। वही यथाशीघ्र स्वीकृति के लिए कारवाही कर दी जायेगी।

न्यूज डायरी

परेशान किसानों का दर्द जानने गौलापर के गांव पहुंचे वन विभाग के अधिकारी

संवाददाता हल्द्वानी। वन विभाग के अफसर सोमवार को गौलापार के सुंदरपुर रैक्वाल गांव पहुंचे। जहां पिछले एक महीने से वन्यजीवों ने आतंक मचा रखा है। बैठक में ग्रामीणों ने साफ कहा कि उन्हें वन्यजीवों से निजात चाहिये। फसल बर्बाद करने के बाद हमलावर तक हो चुके हैं। सुंदरपुर में हाथियों की दस्तक मक्का, धान और गन्ने की फसल पर भारी पड़ रही है। वहीं, फसल की रखवाली को लोगों को रतजगा करना पड़ रहा है। बैठक में पहुँचे एसडीओ डीएस मर्तोलिया से लोगों ने कहा कि इलाका जंगल से सटा होने की वजह से हाथी दीवार और फेंसिंग की जरूरत है। मगर वन विभाग उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहा। ग्राम प्रधान उमा रैक्वाल ने कहा कि पहले गांव में गुलदार का आतंक था। उसकी आवाजाही बंद हुई तो हाथी नुकसान करने लगे।

संदिग्ध हालात में वृद्धा की मौत, पोस्टमार्टम को भेजा शव, होगा कोरोना टेस्ट

संवाददाता रुद्रपुर। संदिग्ध हालात में सिंह कॉलोनी निवासी वृद्धा की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मृतका का कोरोना टेस्ट कराया जा रहा है।शांति विहार कालोनी निवासी चंद्रा देवी (71) पत्नी मोती सिंह लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थी। सोमवार की सुबह उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे लेकर इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसका पता चलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस पहुंची और जानकारी ली। साथ ही शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है।कोतवाल कैलाश भट्ट ने बताया कि महिला का कोरोना टेस्ट कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

रुद्रपुर नगर निगम बोर्ड में पास हुए काम शुरू नहीं होने पर प्रदर्शन

संवाददाता रुद्रपुर। नगर निगम बोर्ड में 40 वार्डों के लिए कुल 200 कार्य होने हैं, जिसे बोर्ड ने जनवरी माह में ही बैठक के दौरान पास कर दिया था। लेकिन अभी तक उसमें से एक भी कार्य की शुरूआत नहीं हो पाई है। जिसके विरोध में कांग्रेसी पार्षदों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष मोनू निषाद ने कहा कि नगर निगम के महापौर ने कई तरह के वादे किए थे, लेकिन वह वादों पर खरा नहीं उतर रहे हैं। स्थिति यह है कि नगर निगम विकास कार्यों में लगातार पिछड़ता जा रहा है। जिसका खामियाजा क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

राज्य सरकार कोरोना महामारी के चलते सजग नहीं: यूकेडी

देहरादून। उत्तराखंड क्रान्ति दल के केंद्रीय अध्यक्ष दिवाकर भट्टद्वारा जारी एक बयान में कहा है कि उत्तराखंड में भाजपानीत राज्य सरकार कोरोना महामारी के चलते सजग नहीं दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इसके विरोध में नौ सितम्बर को दल के कार्यालय पर धरना दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस महामारी के दौरान अव्यवस्था, प्रवासियों के रोजगार से सम्बंधित हो या फिर बेरोजगारों को रोजगार की बात हो, राज्य के कर्मचारियों के हकों के सवाल हो । राज्य सरकार इन सबमें असफल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार ने सरकार की जीरो टॉलरेंस की पोल खोल दी है। खुद मुख्यमंत्री के विभागों में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा है। उक्रांद का स्पष्ट मानना है कि राज्य के बने इन 20 सालों की बदहाली के सवाल पर भाजपा कॉग्रेस जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि 09 सितम्बर 2020 को उक्रांद स्वयं उनके नेतृत्व में प्रवासियों के रोजगार, राज्य में बाहरी व्यक्तियों को नौकरियों के सवाल, कर्मचारियों के उत्पीड़न,बेरोजगारों के लिये रोजगार के मुद्दे, आंदोलन किया जायेगा।

कोरोना काल में डॉक्टरों द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा हैः मुख्यमंत्री

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से मुख्यमंत्री आवास में प्रान्तीय चिकित्सा सेवा संघ उत्तराखण्ड के अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह नपलच्याल, महासचिव डॉ. मनोज वर्मा एवं डॉ. एन.एस बिष्ट ने संघ की विभिन्न मांगों को लेकर वार्ता की।

संघ के मामलों पर बिन्दुवार चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मांगों को गम्भीरता से लिया जायेगा एवं सकारात्मक सहयोग किया जायेगा। प्रान्तीय चिकित्सा सेवा संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपना आन्दोलन तत्काल वापस लेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में डॉक्टरों द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। जिस लगन से वे जन सेवा कर रहे हैं, इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

'सुधि' ने मूनाकोट विकास खंड की महिलाओं को स्वरोजगगार देने के साथ मुफ्त में बांटे बींज

संवाददाता

पिथौरागढ़। जनपद मुख्यालय के मूनाकोट विकास खंड के गंगासेरी गांव में जनपद की सर्वांचल सांस्कृतिक एवं समाजिक विकास मंच सुधि द्वारा रामराज द्विवेदी के ओएनजीसी के मुख्य प्रबंधक के मार्गदर्शन में गांव की महिलाओं को स्वरोजगार प्रदान करने के साथ विभिन्न प्रकार के बीजों की पैंकिग करने व तमाम बीज स्थानीय गांवों की महिलाओं को निशुल्क बांटें। देहरादून से मूनाकोट ब्लाक के गांव गंगासेरी ग्रम सभा की महिलाओ को रामराज द्विवेदी द्वारा आजिविका सुधार कार्यक्रम के तहत सुधि

संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यो से महिलाओं को रूबरू करवाया।

बता दें कि सुधि संस्था द्वारा कोरोना काल से लेकर अब तक जिले के तमाम ग्रमीण इलाकों में जाकर विभिन्न प्रकार के जनजागरूकता अभियान समय समय पर चलाये जा चुके है। वर्तमान में जिले के इस संस्था द्वारा गंगासेरी गांव में जाकर तीन दिवसीय आजाविका सुधार कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस दौरान देहरादून ओएनजीसी के मुख्य प्रबंधक रामराज द्विवेदी ने गांव की महलिाओं को कार्यशाला में बढ़चढ़कर प्रतिभाग करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित भी किया।

सुधि संस्था के द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम की रामराज द्विवेदी ने सराहना भी की है। कार्यक्रम के दोरान सुधि संस्था के अध्यक्ष डां हंसा दत्त भट्ट व परियोजना के समनव्यक नवीन पांडे, रेनू सामंत, ओएनजीसी के जय पांडे व गुरूविंदर सिह और सुधि संस्था के सचिव किशोर पंत ने कार्यशाला में विशेष रूप से सहयोग प्रदान किया।

जानवरों के चारापत्ति को भटकती महिलाओं ने विकसित कर दिया 30 हेक्टेयर जंगल

संवाददाता पिथौरागढ़। रामगंगा नदी घाटी क्षेत्र में थल–मुनस्यारी मोटर मार्ग से सटे रसियाबगड़ और भैंसखाल गांवों की महिलाओं ने जंगल नहीं होने का दर्द झेला है। जानवरों के लिए चारा जुटाने को महिलाएं पंद्रह किमी दूर जंगलों में जाती थीं। सारा दिन चारा जुटाने में बीत जाता था। नदी घाटी के गांव होने से गर्मियों में हवा तक के लिए तरसने वाली महिलाओं ने जंगल बचाने के साथ नए जंगल बनाने का संकल्प लिया। पुरुषवादी सोच वाले समाज को आइना दिखाने के लिए वन पंचायतों की जिम्मेदारी खुद संभाली। महिला सरपंच चुन कर जो कर दिखाया वह आज मिसाल बन चुका है। रामगंगा नदी के किनारे तीस हेक्टेयर में पौध ाारोपण कर नया वन तैयार कर दिया है। साथ ही पुराने जंगल को भी संरक्षित कर रहीं हैं। इनकी कर्मठता से जिले का यह पहला जंगल है जहां विगत पंद्रह वर्षों से आज तक आग की एक भी घटना नहीं घटी है। महिलाएं पूरे ग्रीष्मकाल में रात, दिन जंगल की रक्षा के लिए पहरा देती हैं।